

फरद अहकाम

(मिमा 25)

आज अदालत उत्तराखण्ड हाइकोर्ट सिकरारा
 सरकार बनाम सुनील पि कांशी
 किसिम मुकदमा सरा गुं नं० 1181/19

दिनांक हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इ हुकम की तामी में जारी हुए
3/19	<p>द्वारा सरकार सिकरारा के द्वारा (मुकदमा) पेश किया। सरा दर सिकरारा बिना जजर अतिरिक्त की तामी की जजर तामी की 8-5-19 से पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">अखिल अविस्मरी सिक्करा</p>	
13/11	<p>पत्रावली पेश हुई। पैरोदार सरा उपाजित। पैरोदार सरा को सुना गया, पत्रावली का मखोमन लिफा, बटल का मत लिफा। सटमातेदारो द्वारा सटमाते पत्र प्रस्तुत लिफा गया। मुलाबिक सटमाते पत्रावली उरुहीकरण का निवेदन लिफा गया। सटमाते पत्र पर पत्रदार, पटवारी, धूमनि, तथा तटपीलवार सिक्करा की रिपोर्ट भी पत्रावली पर उपलब्ध है, लिफा पर उरुहीकरण का निवेदन लिफा गया।</p> <p>ऐसी स्थिति में मुलाबिक सटमाते पत्र प्रस्तुत लिफे जाने योग्य है एवं सटमाते पत्र दिनांक 25-3-19 भी निर्दिष्ट व डिप्टी का भाग रहेगा।</p> <p>अतः पाण गी सीमाद लिफा जाला है तथा विवादि नसरा नं. 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251 इन डिवा 8 वालेरामा के तटपील सिक्करा के राखत्व रिपोर्ट में सटमाते दिनांक 25-3-19 के मुलाबिक उरुहीकरण के अदेश तटपीलवार सिक्करा को दिये जाते हैं।</p> <p>निर्दिष्ट अदेश द्वारा सिमादा जजर मुले न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: center;">3</p> <p style="text-align: center;">26/3/19.</p>	